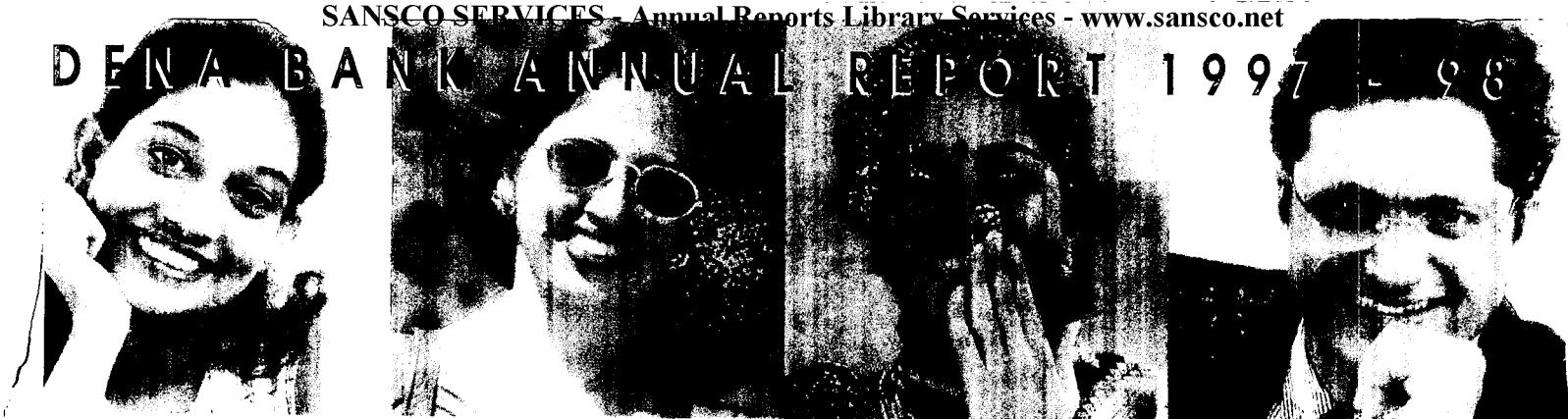


# DENA BANK ANNUAL REPORT 1997 - 98



"Customer Satisfaction  
is not the  
ultimate aim of  
our business.  
It's the ultimate  
reason for our  
existence."





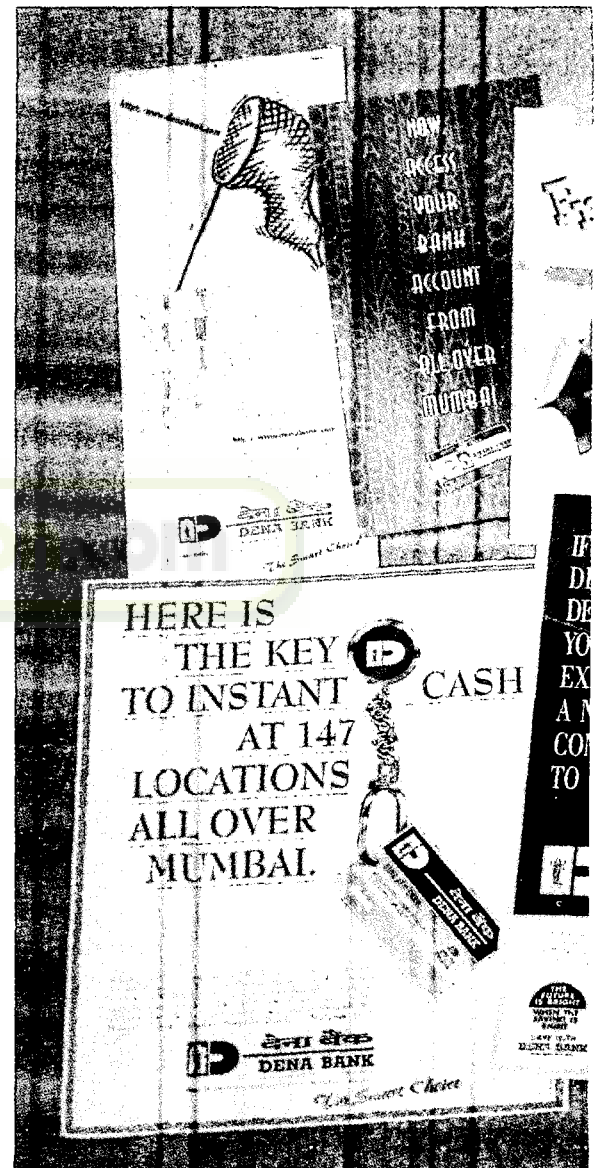


## ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप A range of schemes and services



देना बैंक में ग्राहक का संतोष मात्र एक उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी ऊर्जा है, जिससे यहाँ के समस्त कार्य आदि से अन्त तक प्रेरित होते हैं। लाखों चेहरों पर मुस्कान खिलाने के अतिरिक्त, अपने विभिन्न नए प्रयासों और नई संकल्पनाओं से बैंक उल्लेखनीय लाभ अर्जित करने में सफल रहा है। यह वार्षिक रिपोर्ट इसी सुखद परिस्थिति का प्रतिफल है।

*At Dena Bank, Customer Satisfaction is not just the end result. It is the driving force that dictates all its actions from the beginning to the end. Apart from putting a smile on millions of faces, its various initiatives and innovations have succeeded in producing a remarkable bottomline too. This Annual Report mirrors this happy state of affairs.*







## विभिन्न योजनाएं और सेवाएं to meet diverse customer needs

MD	✓		BKC	NA
CS	NA		DPY	NA
RO	✓		DIV	✓
TRA	✓		AC	✓
AGM	✓	✓	SHI	✓
YE	✓	✓		





निदेशक  
Board of



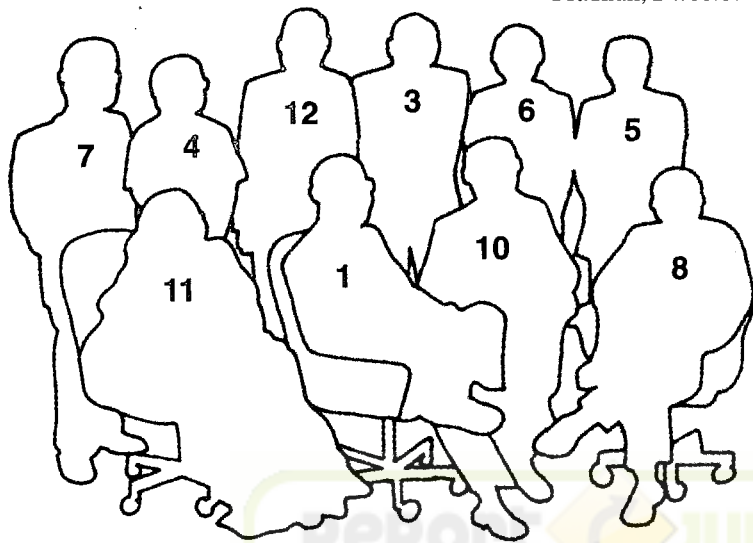




## मंडल Directors

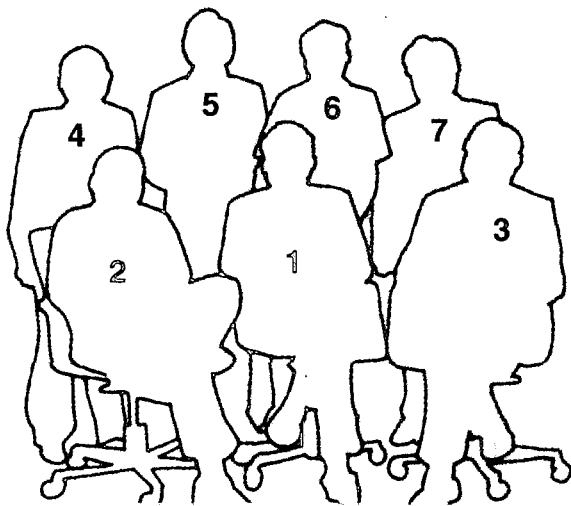
1. रमेश मिश्र  
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक  
Ramesh Mishra  
Chairman & Managing Director
2. ए. के. प्रधान, निदेशक  
A. K. Pradhan, Director

3. के. डी. सावकूर, निदेशक  
K. D. Savkur, Director
4. आर. एस. कासार, निदेशक  
R. S. Kasar, Director
5. के. वी. पै, निदेशक  
K. V. Pai, Director
6. एस. एस. कर्णावत, निदेशक  
S. S. Karnavat, Director
7. प्रो. प्रवीण विसारिया, निदेशक  
Prof. Pravin Visaria, Director
8. वाई. पी. त्रिवेदी, निदेशक  
Y. P. Trivedi, Director
9. डॉ. गुरप्रीत सिंह, निदेशक  
Dr. Gurpreet Singh, Director
10. उमेश नाथ कपूर, निदेशक  
Umesh Nath Kapur, Director
11. सुश्री. झाँसी रानी नम्बूरी, निदेशक  
Ms. Jhansi Rani Namboori, Director
12. एल. एस. शर्मा, निदेशक  
L. S. Sarma, Director



## महा प्रबंधक General Managers

1. एम. आर. उमर्जी  
M. R. Umarji
2. रमेश शाह  
Ramesh Shah
3. चंद्रसेन  
Chandrasen
4. जी. के. रंगनाथन  
G. K. Ranganathan
5. बी. मजूमदार  
B. Majumdar
6. के. अनन्तरामन  
K. Anantharaman
7. एस. वी. सत्यमूर्ति  
S. V. Satyamurthy





## प्रगति की एक झलक Progress at a Glance

		करोड़ रु. में Rs. in crores		
		1995-96	1996-97	1997-98
शाखाओं की संख्या	Number of Branches	1134	1143	1156
पूंजी	Capital	147	207	207
आयक्षितियां	Reserves	130	296	339
पूंजी पर्याप्तता अनुपात	Capital Adequacy Ratio	8.27	10.81	11.88
परिचालनगत लाभ	Operating Profit	145.49	194.04	273.61
निवल लाभ	Net Profit	51.69	72.91	105.04
निक्षेप	Deposits	6476	7861	10115
- प्रमात्रा वृद्धि	— Quantum Increase	697	1385	2254
- % वृद्धि	— % Increase	12.1	21.4	28.7
अग्रिम (निवल)	Advances (Net)	3402	4044	5147
- प्रमात्रा वृद्धि	— Quantum Growth	530	642	1103
- % वृद्धि	— % Increase	18.5	18.9	27.3
निम्नलिखित को अग्रिम	Advances to			
- प्राथमिकता क्षेत्र	— Priority Sectors	1391	1653	2197
- कृषि	— Agriculture	439	584	727
- लघु उद्योग	— Small Scale Industries	639	641	952
निवेश	Investments	2764	3719	4601
जिसमें से बजार में अंकित (%)	of which marked to market (%)	52.80	70.17	88.43
निर्यात साख	Export Credit	500	515	703
विदेशी व्यापार पण्यवर्त	Foreign Business Turnover	3276	3592	4417
कुल कर्मचारी	Total Staff	15964	15610	15109
कर्मचारी उत्पादकता	Staff Productivity	0.66	0.78	1.01
कम्प्यूटरीकृत शाखाएं	Computerised Branches	175	252	290





## 1997-98 की मुख्य उपलब्धियाँ Performance Highlights 1997-98

### लाभ

परिचालनगत लाभ 41 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए रु. 194.04 करोड़ से बढ़कर रु. 273.61 करोड़ हो गया। निवल लाभ पिछले वर्ष के रु. 72.91 करोड़ के स्तर से बढ़कर रु. 105.04 करोड़ हो गया, परिणामस्वरूप 44.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

### पूँजी पर्याप्तता अनुपात

भारतीय रिज़र्व बैंक के 8% के निर्धारण की तुलना में गत वर्ष पूँजी पर्याप्तता अनुपात 10.81 प्रतिशत था, जो बढ़कर 11.88 प्रतिशत हो गया।

### कारोबार वृद्धि

बैंक का सम्मिश्र कारोबार जमाराशियों और अग्रिमों को मिला कर रु. 15,000 करोड़ के स्तर को पार कर गया। इस प्रकार आलोच्य वर्ष में 27.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

### जमाराशियाँ

जमाराशियाँ 28.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 7,861.31 करोड़ से बढ़कर रु. 10,115.28 करोड़ हो गयी। इस प्रकार जमा संग्रहण के मामले में रु. 10,000 करोड़ की सीमा को पार किया गया।

### अग्रिम

आलोच्य वर्ष में निवल अग्रिम 27.3 प्रतिशत की वृद्धि साथ रु. 4,043.73 करोड़ के स्तर से बढ़कर रु. 5,147.24 करोड़ हो गए।

### प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम

भारतीय रिज़र्व बैंक के 40 प्रतिशत निर्धारण के समक्ष निवल अग्रिमों में प्राथमिकता क्षेत्र के अग्रिमों का स्तर 42.3 प्रतिशत तक जा पहुँचा। इस प्रकार इन अग्रिमों में 32.95 प्रतिशत की ठोस वृद्धि हुई।

### निर्यात साख

36.5 प्रतिशत की संतोषजनक वृद्धि के साथ निवल अग्रिमों में निर्यात साख का अंश भारतीय रिज़र्व बैंक के 12 प्रतिशत मानदण्ड के समक्ष गत वर्ष के 11.9 प्रतिशत से बढ़कर 13 प्रतिशत हो गया।

### निवेश

निवेश संविभाग में 23.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो रु. 3,719.25 करोड़ से बढ़कर रु. 4,601.38 करोड़ हो गए। इस प्रकार अस्थाई श्रेणी के निवेश का अंश 70.17 से बढ़कर 88.43 प्रतिशत हो गया।

### कम्प्यूटरीकरण

कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या 252 से बढ़कर 290 हो गई। इसमें पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या 45 से बढ़कर 95 हो गई।

### लाभप्रदता/उत्पादकता अनुपात

- कार्यशील निधियों के प्रतिशत के रूप में परिचालनगत लाभ 2.27 प्रतिशत से बढ़कर 2.55 प्रतिशत हो गया।
- आस्तियों पर आय 0.75 प्रतिशत से बढ़कर 0.86 प्रतिशत हुई।
- निवल सम्पत्तियों पर आय 16.50 प्रतिशत से बढ़कर 21.34 प्रतिशत हो गई।
- प्रति शेयर आय रु. 3.52 से बढ़कर रु. 5.08 हुई।
- प्रति कर्मचारी उत्पादकता रु. 0.78 करोड़ से बढ़कर रु. 1.01 करोड़ हो गई एवं प्रति शाखा कारोबार रु. 10.6 करोड़ के स्थान पर रु. 13.2 करोड़ हो गया।

### PROFIT

The operating profit went up by 41 per cent from Rs. 194.04 crores to Rs. 273.61 crores. Net Profit zoomed to Rs. 105.04 crores from last year's level of Rs. 72.91 crores, reflecting a rise of 44.1 per cent.

### CAPITAL ADEQUACY RATIO

As against the RBI's stipulation of 8 per cent, the Capital Adequacy Ratio, which was at 10.81 per cent last year, improved further to 11.88 per cent.

### BUSINESS GROWTH

The business-mix of the Bank, comprising deposits and advances, crossed the Rs. 15,000 crores mark, registering a growth of 27.8 per cent during the year.

### DEPOSITS

The deposits registered a growth of 28.7 per cent and increased to Rs. 10,115.28 crores from Rs. 7,861.31 crores, surpassing the Rs. 10,000 crores landmark.

### ADVANCES

The net advances went up from the level of Rs. 4,043.73 crores to Rs. 5,147.24 crores, witnessing a sound growth of 27.3 per cent during the year.

### PRIORITY SECTOR ADVANCES

Against RBI's stipulation of 40 per cent, the ratio of priority sector advances to net advances reached a level of 42.3 per cent. In terms of amount, these advances increased by a healthy 32.95 per cent.

### EXPORT CREDIT

With a sizeable growth of 36.5 per cent, the share of export credit in net advances went up from 11.9 per cent to 13.0 per cent against the RBI's norm of 12 per cent.

### INVESTMENTS

The investment portfolio grew by 23.7 per cent from Rs. 3,719.25 crores to Rs. 4,601.38 crores. The share of current category investment increased from 70.17 per cent to 88.43 per cent.

### COMPUTERISATION

The number of computerised branches increased from 252 to 290 and that of totally computerised branches from 45 to 95.

### PROFITABILITY/PRODUCTIVITY RATIOS

- Operating Profit as percentage to working funds jumped from 2.27 per cent to 2.55 per cent.
- Return on Assets improved from 0.75 per cent to 0.86 per cent.
- Return on Net worth shot up from 16.50 per cent to 21.34 per cent.
- EPS increased from Rs. 3.52 to Rs. 5.08.
- Per employee business went up from Rs. 0.78 crores to Rs. 1.01 crores and per branch business from Rs. 10.6 crores to Rs. 13.2 crores.



प्रगति पथ पर राष्ट्र के साथ  
**Growing with the nation**



REPORT





## निदेशकों की रिपोर्ट Directors' Report

### वर्ष 1997-98 के लिए निदेशक मंडल की वार्षिक रिपोर्ट

### Annual Report of the Board of Directors for the year 1997-98

31 मार्च, 1998 को समाप्त वर्ष के लेखा-परीक्षित लेखों सहित बैंक की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए निदेशक मंडल को अत्यंत प्रसन्नता होती है।

#### 1. आर्थिक परिदृश्य :

वर्ष 1997-98 सकल घरेलू उत्पाद के समग्र आर्थिक विकास की दृष्टि से अपेक्षाकृत धीमी प्रगति वाला रहा। 1996-97 के दौरान दर्ज की गई 7.5 प्रतिशत प्रति वर्ष के मुकाबले इस वर्ष संतुलित विकास की दर 5 प्रतिशत रही। इसका मुख्य कारण कृषि क्षेत्र में प्रगति की दर में कमी एवं औद्योगिक विकास की दर में गिरावट है। हालांकि सेवा उद्योग ने वर्ष 1996-97 की 8.1 प्रतिशत की तुलना में 8.9 प्रतिशत की ठोस वृद्धि दर्शायी है।

यह उत्साहवर्धक है कि मुद्रास्फीति की वार्षिक दर में अद्वितीय कमी हुई जो वर्ष 1997-98 के प्रारंभ में 6.7 प्रतिशत थी, घटकर वर्ष 1997-98 में 5 प्रतिशत रही। वर्ष 1997-98 में स्थूल मुद्रा (एम 3) का विस्तार पिछले वर्ष के 16.0 प्रतिशत के मुकाबले 17.0 प्रतिशत रहा।

वर्ष 1996-97 में सर्वाधिक कृषि उत्पादन की तुलना में इस वर्ष विशेषकर खाद्यान्न एवं वाणिज्यिक फसलों का उत्पादन कम रहने की संभावना है। वर्ष 1996-97 में खाद्यान्न उत्पादन 199.3 मिलियन टन था, अब उसके घटकर 194.1 मिलियन टन रह जाने की संभावना है। इस प्रकार इसमें 2.6 प्रतिशत की कमी परिलक्षित होती है। वर्ष 1995-96 के 12.1 प्रतिशत एवं वर्ष 1996-97 के 7.1 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 1997-98 में औद्योगिक उत्पादन में 4.2 प्रतिशत की धीमी वृद्धि परिलक्षित होती है।

निर्यात मोर्चे पर कुछ चिंताजनक स्थिति के बावजूद वर्ष 1996-97 एवं 1997-98 में भुगतान संतुलन की स्थिति नियंत्रण में रही। अंतरिम आंकड़ों के अनुसार निर्यात विकास की दर नीची रही और वर्ष 1997-98 में विकास दर 2.6 प्रतिशत दर्ज की गई।

With immense pleasure, the Board of Directors presents the Annual Report alongwith the audited accounts of the Bank for the year ended 31st March, 1998.

#### 1. ECONOMIC ENVIRONMENT :

The year 1997-98 was marked by a relative slowdown in the overall economic growth of GDP, which decelerated significantly to a modest 5 per cent from 7.5 per cent in 1996-97. This was mainly due to a decline in the growth rate in Agriculture and drop in Industrial growth rate. The Service Industry, however, showed a sound growth of 8.9 per cent against 8.1 per cent in 1996-97.

Encouragingly, the annual rate of Inflation which was 6.7 per cent at the start of 1997-98, recorded perceptible deceleration to 5 per cent in 1997-98. The expansion of Broad Money (M 3) growth in 1997-98 was higher at 17.0 per cent as against 16.0 per cent in the previous year.

The agricultural production is likely to be lower than the record output in 1996-97, specially in food grains and commercial crops. The food grain production, which was 199.3 million tonnes during 1996-97, is expected to come down to 194.1 million tonnes, showing a decline of 2.6 per cent. The industrial production also showed a slower growth of 4.2 per cent in 1997-98 as compared to 7.1 per cent in 1996-97 and 12.1 per cent in 1995-96.

The balance of payment situation remained manageable during the years 1996-97 and 1997-98, despite some concerns on the export front. As per the provisional data, the export growth was at a low key registering a growth of 2.6 per cent in 1997-98.



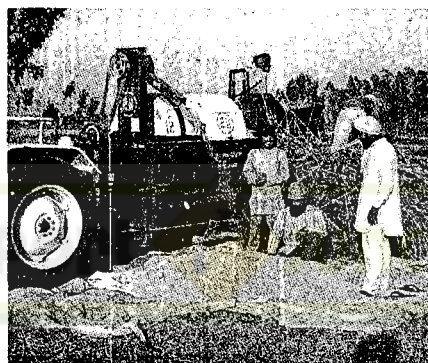
## निदेशकों की Directors'



वर्ष 1997-98 में पूंजी बाजार में निरंतर मंदी व्याप्त रही, क्योंकि वर्ष 1997-98 में सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से प्राथमिक बाजार से जुटाए गए संसाधनों में रु. 4,570 करोड़ की कमी आई, जबकि जुटाए गए संसाधन रु. 14,276 करोड़ रहे।

### 2. मौद्रिक एवं साख नीति :

भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा शुरू किए गए मौद्रिक एवं साख नीति उपायों के लक्ष्य रहे - मुद्रा



स्फीति की निम्न दर बनाए रखना, मूल्य स्थिरता, अर्थव्यवस्था में निवेश और उत्पादन में तीव्रता, वित्तीय क्षेत्र में निरंतर सुधार, साख की लागत में कमी एवं साख वितरण प्रणाली को सुव्यवस्थित करना आदि।

वर्ष 1997-98 में भारतीय रिज़र्व बैंक ने नीतिगत अवरोधों में छूट एवं संसाधनों की उपलब्धता विषयक अनेक नीतिगत उपायों की घोषणा की। भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा उठाये गये कदमों यथा प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात में कमी, अंतर बैंक देयताओं के लिए सांविधिक तरलता अनुपात/प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात से छूट, सांविधिक तरलता अनुपात से संबंधित बहुमुखी व्यवस्थाओं को हटाना, जमा प्रमाणपत्रों (सीडी) की न्यूनतम राशि को कम करना, प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात पर ब्याज दर

The capital market continued to remain subdued in 1997-98, as the resource mobilisation from primary market through public issues further declined from Rs. 14,276 crores to Rs. 4,570 crores during 1997-98.

### 2. MONETARY AND CREDIT POLICY :

The Monetary and Credit Policy measures initiated by the Reserve Bank of India aimed at maintaining a low rate of inflation, price stability, accelerating investments and output in economy, continued financial sector reforms, reduction in the cost of credit and streamlining the credit delivery system etc.

During the year 1997-98, several policy measures were announced by the Reserve Bank of India towards relaxing policy constraints as also the availability of resources. Reduction in Cash Reserve Ratio (CRR), exemption of Statutory Liquidity Ratio (SLR)/CRR for inter-bank liabilities, removal of multiple prescription of SLR, down-sizing the minimum amount of Certificate of Deposits, revision in the interest rate on CRR etc. were amongst some major steps, which were taken by Reserve Bank of India, which augmented the availability of resources to the banks. All these measures had a perceptible positive impact on the profitability of the banks. On the other hand, deregulation of interest rates on deposits, making Bank Rate as the reference rate and reducing the same, relaxing the norms of consortium lending, giving freedom to banks in

